सं० शिक्षक - साजन कुमार
एस० बी० एस० एस० कॉलेज
बेगूसराय

चतुर्थ प्रश्न-पत्र
लघुसिद्धान्त कौमुदी (तिङन्त)
भू धातु - लट् लकार

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	भवति	भवतः	भवन्ति
मध्यम पुरुष	भवसि	भवथः	भवथ
उत्तम पुरुष	भवामि	भवावः	भवामः

1) भवति

=> 'वर्तमाने लट्' इस सूत्र से 'भू' के बाद लट् लगाने पर - > भू + लट्

=> लट् के अनुबन्धों को हटाने पर — भू + ल्

=> कर्ता के प्रथम पुरुष एकवचन की विवक्षा में > भू + तिप्

=> 'कर्तरि शप्' से 'शप्' का विकरण - भू + शप् + तिप्

=> शप् के अनुबन्धों को हटाने पर - भू + अ + तिप्

=> 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' सूत्र से भू इगन्त अंग को गुण हो जाता है. अतः गुण करने पर > भो + अ + तिप्

=> 'एचोऽयवायावः' सूत्र से 'ओ' को 'अव' आदेश होने पर > भव् + अ + तिप्

=> मिलाने पर ——— भव + तिप्

=> हलन्त्यम् से 'प' का लोप तथा रूप सिद्ध > भवति

२) भवतः

⇒ वर्तमाने लट् से लट् लकार — भू + लट्
⇒ लट् के अनुबन्धो को हटाने पर — भू + ल्
⇒ कर्ता के प्रथम पुरुष द्विवचन की विवक्षा में > भू + तस्
⇒ 'कर्तरि शप्' से 'शप्' का विकरण — भू + शप् + तस्
⇒ शप् के अनुबन्धों को हटाने पर — भू + अ + तस्
⇒ 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' इस सूत्र से भू इगन्त अंग को गुण हो जाता है > भो + अ + तस्
⇒ एचोऽयवायावः' इस सूत्र से 'ओ' को अव् आदेश होने पर > भव् + अ + तस्
⇒ मिलाने पर — भव + तस्
⇒ ससजुषोरुः से रु (उ) — भवतर्
⇒ खरवसानयोर्विसर्जनीयः' से 'र्' को विसर्ग होने पर > भवतः
⇒ इस प्रकार सिद्ध रूप — भवतः

Scanned with CamScanner

5) भवन्ति

=> 'वर्तमाने लट्' से लट् लकार - भू + लट्

=> लट् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल

=> 'कर्तरि शप्' से शप् का विकरण - भू + शप् + ल

=> 'शप्' के अनुबंधो को हटाने पर - भू + अ + ल

=> 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' सूत्र से भू इगन्त अंग को गुण हो जाता है, अतः गुण करने पर > भो + अ + ल

=> 'एचोऽयवायावः' सूत्र से ओ को > भव् + अ + ल
अव् आदेश करने पर

=> मिलाने पर - भव + ल

=> कर्ता के प्रथम पुरुष बहुवचन की > भव + झि
विवक्षा में

=> 'झोऽन्तः' से 'झ' को 'अन्त' आदेश > भव + अन्ति
होने पर

=> 'अतोगुणे' से पररूप सन्धि - भवन्ति

=> इस प्रकार रूप सिद्ध हुआ - भवन्ति

Scanned with CamScanner